## 5617 Written Answers AGRAHAYANA 28, 1885 (SAKA) Written Answers 5618

## Search in Electric Companies of Bombay

1955. Shri Daji: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Enforcement Directorate of the Reserve Bank raided and searched the premises of certain electrical companies in Bombay in April, 1961;

(b) the alleged offence for which the raids were carried out; and

(c) the outcome thereof?

The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): (a) to (c). The premises of certain companies in Bombay dealing in electrical goods were searched by the officers of the Enforcement Directorate of the Ministry of Finance, in April, 1961. Adjudication proceedings were initiated against the said companies by the Enforcement Directorate. The adjudication had not been completed upto the 16th December, 1963.

## सेलेनियम मेटल पाउडर पर सीमा शल्क

िश्री राम सेवक यादव : श्रेध्र ६. ेश्री सती राम बागड़ी : ेश्री यज्ञपाल सिंह : ेश्री किज्ञन पटनायक : क्या वित्तमंत्री यह बताने की क्रपा वर्ेंगे कि:

(क) वास्तविक उपभोक्ता लाइसेंस

1000 (SARA) written Answers 5618 प्रणाली लागू होने से पूर्व सेलेनियम मैटल पाउडर ग्रौर कोबाल्ट ग्राक्साइड के प्रतिष्ठित ग्रायातकारों से प्रति वर्ष सरकार द्वारा कितना सीमा शल्क वमुल किया जाता था : ग्रौर

(ख) वास्तविक उपभोक्ता लाइसेंस प्रणाली के लागू होने के बाद सेलेनियम मेटल पाउडर ग्रौर कोबाल्ट ग्राक्साइड पर केन्द्रीय सरकार द्वारा कितनी राशि के सीमा शुल्क लगाए जाते हैं ग्रौर वसूल किए जाते हैं ?

वित्त मंत्री (श्री ति० त० कृष्णमाचारी): (क) ग्रौर (ख). जिन दो चीजों का जिक किया गया है उनके बारे में अलग अलग राजस्व सम्बन्धी ग्रांकड़े उपलव्ध नहीं हैं । फिर भी, विदेशों से मंगाये गये माल की (चाहे वह प्रतिष्ठित ग्रायातकों द्वारा मंगाया गया हो या दूसरों द्वारा) कीमत के ग्राघार पर (क) ग्रप्रैल, १९६३ से पहले के तीन वर्षों ग्रौर (ख) ग्रप्रैल, १९६३ से ग्रगस्त, १९६३ तक के पांच महीनों में मंग्रह हुए शुल्क के लगभा ग्रांकडे नीचे दिंग्गये हैं :---

	१९६	.o−६१	१९६१-६२	१९६२-६३	(हजार रुपयों में) १९६३–६४ (ग्रनस्त १९६३ तक)
१.	सेलेनियम श्रौर				
२.	उस के कम्पाउण्ड कोबाल्ट	१४६	309	१४०	χc
	<b>त्रान</b> वाईड	११८	१८६	१४०	६३

Hindi Journal for Health Education

1957. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of Health be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Ministry of Health publishes a Hindi Journal for health education;

(b) if so, the number of issues brought out so far; and (c) the number of persons employed for this purpose and the money spent. on this project annually?

The Minister of Health (Dr. Sushlia Nayar): (a) to (c). The question regarding the publication of a Hindi Journai for Health Education is still under consideration.